

23. खुशी शहर आई



खुशी अपने माता-पिता, दादा-दादी, चाची और बुआ के साथ अपने गाँव सरयाँज में रहती हैं। गाँव में उनके पास बहुत से खेत, गाय-भैंस, भेड़, बकरियाँ एवं बैल हैं। वह सरयाँज की राजकीय प्राथमिक पाठशाला में कक्षा पाँच की छात्रा है।

जबसे उसकी माता ने उससे कहा है कि पाँचवी के बाद वे उसे जवाहर नवोदय विद्यालय में पढ़ाएंगे, तबसे वह पढ़ाई में और भी मेहनत करने लगी है। छुट्टियों में अक्सर वह अपनी छोटी बहन के साथ ननिहाल चली जाती है। पर इस बार छुट्टियों में वह अपने चाचा के पास सोलन रहेगी। उसके चाचा ने छुट्टियों में उसे सोलन ले जाने को कहा है।

जैसे ही खुशी का कक्षा पाँच का वार्षिक परिणाम आया तो घर के सभी सदस्य प्रसन्नता से फूले न समाए। क्योंकि वह कक्षा में प्रथम आई थी।

अगले ही दिन शनिवार को उसके चाचा सोलन से गाँव आए। अपने चाचा के साथ छुट्टियों में सोलन जाने की खुशी में खुशी रात भर सो भी नहीं पाई। दो दिन तक वह अपना सामान इकट्ठा करती रही। उसे पता ही नहीं लग रहा था कि वह अपने साथ क्या ले जाए, क्या छोड़े। अंत में उसकी माता ने उसके कपड़े पीटूटू में डाले। उसकी छोटी बहन माँ को उसके कपड़े भरते देख उदास हो कभी अपनी माँ का मुँह ताक रही थी तो कभी अपनी बहन का।

🧐 बताओ :

- ❖ तुम्हारे गाँव / मुहल्ले में कितने घर हैं ?
- ❖ तुम्हें अपने परिवार के सदस्यों एवं अध्यापकों से अपने भविष्य के लिए क्या परामर्श मिलते हैं ?
- ❖ तुम अपने स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमने गए? वहाँ पर तुमने क्या-क्या देखा ?

सोमवार को सुबह वाली बस से वह अपने चाचा के साथ सोलन चल पड़ी। रास्ते में अर्की, कुनिहार, सुबाथू आए। रास्ते भर वह हर चीज को बड़े गौर से देखती रही। अचानक बस ड्राइवर ने ज्यों ही बस में गाने लगाए तो एक सवारी ने उसे स्टिरियो पर गाने लगाने से रोक दिया। तब खुशी को बुरा भी लगा, क्योंकि उसे वह गीत बहुत अच्छा लग रहा था। वह रास्ते भर सोचती रही कि ऐसा क्यों हुआ?



जब कोई गाड़ी उनकी बस के आगे से निकलती तो वह आँखें बंद कर लेती। जब बस सुबाथू छावनी से गुजरी तो वहाँ सैनिकों को वर्दी में देख उसे बहुत अच्छा लगा। उन्हें देख उसके मन में विचार आया कि बड़ी होकर वह अवश्य सेना में भर्ती हो देश की सेवा करेगी।

 सोचो तो :

तुम बड़े होकर क्या बनना पसंद करोगे और क्यों?

अगर तुम किसी सैनिक को जानते हो तो उसके बारे में लिखो—

चलती गाड़ी में गाने क्यों नहीं लगाने चाहिए?

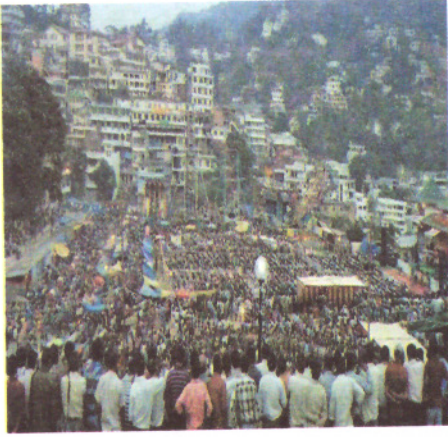
ज्यों ही बस सुबाथू से आगे निकली तो चीड़ के पेड़ों ने उसका स्वागत किया। चीड़ के पेड़ों को अपने साथ-साथ चलते देख उसे बहुत अच्छा लग रहा था।

कुछ देर तक आड़े तिरछे मोड़ पार करने के बाद, कई गाड़ियों को पीछे छोड़ते उनकी बस सोलन बस स्टेशन पर ज्यों ही पहुँची तो बस में बैठी सवारियां अपना-अपना सामान उठा बस के दरवाजे के पास इकट्ठा होने लगीं। जिससे रास्ता बंद हो गया। यह देख बस के कंडक्टर ने ऊँची आवाज में कहा, “उतरना सबको है। अगर रास्ते में ही सब खड़े रहेगें तो उतरेगें कैसे?” तब कुछ लोग दरवाजे के पास से हट गए और दरवाजा खुलते ही सब एक-एक करके दरवाजे से बाहर निकलने लगे। वह भी अपने चाचा के साथ अपना पीटू उठा कर बस से बाहर आ गई।



अपने से पूछो :

- ❖ चलती बस से हमें सिर बाजू बाहर क्यों नहीं निकालने चाहिए?
- ❖ हमें चलती बस से क्यों नहीं उतरना चाहिए?
- ❖ अपना-अपना काम स्वयं करने से हमें क्या लाभ होगा ?
- ❖ हमें बस में हमेशा किस तरफ से चढ़ना और उतरना चाहिए?
- ❖ अगर सभी लोग नियमों का पालन करें तो उसके क्या लाभ होंगे?



जैसे ही खुशी बस से उतरी तो बस स्टेशन पर गाड़ियों को देख हैरान रह गई। बाप रे! इतनी गाड़ियाँ!! इतनी गाड़ियाँ उसने पहली बार देखी थीं। यह देख उसने दाँतों तले उंगली दबा ली।

अभी वे बस से उतरे ही थे कि सामने उसे चाचा की बेटी मुस्कान मुस्कुराती हुई दिखाई दी तो उसकी जान में जान आई। उसकी बड़ी बहन सोलन में राजकीय महाविद्यालय में पढ़ती है। चाचा ने खुशी को मुस्कान के साथ छोड़ा और अपने दफ्तर चल दिए।

अपनी बड़ी बहन के साथ इधर-उधर की हर चीज को उत्सुकता से ताकती, उससे बातें करती वह मकान में पहुँच गई। वहाँ पहुँच खुशी ने नहाने के बाद भोजन किया। कुछ देर टीवी पर कार्टून फिल्म देखी। देर तक दोनों घर की ढेर सारी बातें करती रहीं।

दोपहर बाद मुस्कान खुशी को लेकर चिल्ड्रन पार्क घुमाने ले गई। उसने देखा कि कुछ बच्चे सड़क पर खेल रहे हैं। उसका मन उनके साथ खेलने को हुआ। ज्यों ही वह उस ओर रुक कर देखने लगी तो मुस्कान ने उसे रोकते हुए कहा, 'खुशी! जिस रास्ते पर गाड़ियाँ चलती हों उस रास्ते पर खेलना खतरे से खाली नहीं होता। इसी कारण कुछ बच्चे सड़क पर खेलते हुए दुर्घटना को बुलावा देते हैं, जो अच्छा नहीं। जहाँ खेल की जगह हो वहाँ खेलें तो खेल का भी आनंद आता है और हम सुरक्षित भी रहते हैं।'।





अभी वे कुछ ही आगे निकले थे कि सामने उसे तीन रंगों की चमकती बत्तियाँ दिखाई दीं। कभी एक बत्ती कुछ देर जलती तो उसके बाद बुझ जाती। तब दूसरी बत्ती जलती। उनके साथ ही कुछ गाड़ियाँ रुक जातीं तो कुछ चलने लगतीं। खुशी अपनी

बहन से उनके बारे में पूछने ही वाली थी कि तभी उसकी बहन ने उसे बताया, 'ये जो लाल रंग की बत्ती तुम देख रही हो, यह रुकने का संकेत हैं। जब तक यह जलती रहती है तब तक उस ओर की गाड़ियाँ रुक जाती हैं। जब हरे रंग की बत्ती जली है तो तुमने देखा रुकी गाड़ियाँ उस ओर से चलने लगीं। और ये जो पीले रंग की बत्ती तुम देख रही हो इसका अभिप्राय है कि जल्दी ही रुकने, चलने की तैयारी की जाए। इन बत्तियों को यातायात बत्ती कहते हैं। अगर इनका पालन किया जाए तो अनचाही सड़क दुर्घटनाओं से काफी हद तक बचा जा सकता है।'



‘और दीदी ये सड़क पर सफेद रंग की पट्टियाँ क्यों बनी हैं?’

‘खुशी, इसे जेबरा क्रॉसिंग कहते हैं। यह पैदल चलने वालों के लिए सड़क पार करने हेतु बनाई जाती है ताकि हम बिना किसी डर के सड़क पार कर सकें। जब लाल बत्ती पर गाड़ियाँ रुकी हों तो हमेशा सड़क जेबरा क्रॉसिंग से ही पार करनी चाहिए, वह भी सावधानी से, दौड़ कर नहीं।’



खुशी ने थोड़ा आगे पहुंचकर देखा कि कुछ लोग इस ओर चल रहे हैं तो कुछ उस ओर। कुछ लोग तो बत्तियों की परवाह किए बिना ही सड़क पार कर रहे थे। खुशी ने भी ऐसा करने की कोशिश की तो मुस्कान ने उसे रोकते हुए कहा, ‘औरों को देख कर हमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। सड़क पार करने से पहले हमें दाएँ फिर बाएँ और दोबारा दाएँ देखने के बाद भी गाड़ी बहुत दूर होने पर ही सड़क पार करनी चाहिए।’

 **इसके बारे में गंभीरता से सोचो :**

शहर में ऐसा क्या-क्या नहीं है जो हमें गाँव में मिलता है?

- | | | |
|---------|---------|---------|
| 1. | 2. | 3. |
| 4. | 5. | 6. |
| 7. | 8. | 9. |

दैनिक जीवन में स्वच्छता का क्या महत्व है?

अगर हम सड़क में खेलेंगे तो क्या हो सकता है? हमें खेल के मैदान में ही क्यों खेलना चाहिए?

जेबरा क्रॉसिंग पर ही सड़क पार करने से क्या लाभ होता है?

बच्चों को सड़क पार कैसे करनी चाहिए?



रिक्त स्थान भरो :-



.....

.....

.....

बातें करते-करते वे सपरून से आगे निकले तो खुशी ने सड़क के साथ अलग से बना रास्ता देखा जिस पर पैदल चलने वाले लोग आ जा रहे थे, तब खुशी ने मुस्कान से पूछा, 'दीदी! लोग सड़क से क्यों नहीं जा रहे हैं? पीछे तो लोग सड़क पर ही चल रहे थे?'

'ये पैदल चलने का रास्ता है। इसे पेडेस्ट्रियन पाथ (Pedestrian Path) कहते हैं। इस पर चलना सदैव सुरक्षित रहता है। जहाँ पर ये हों, हमेशा इन पर ही चलना चाहिए। जहाँ ऐसे रास्ते न हों, वहाँ हमें सदैव बाएँ ही चलना चाहिए। एक बात और खुशी, जब भी हम सड़क पर चलें तो हमें ईयरफोन या गाने सुनने का कोई दूसरा यंत्र प्रयोग नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।'



- ☐ सड़क पार करने से पहले सड़क पार करने के नियम :
- ☐ पहले दाएँ देखो फिर बाएँ देखो।
- ☐ दोबारा अपने दाएँ देखो।
- ☐ सुनिश्चित करो की सब गाड़ियाँ रुक गई हैं तो अपना हाथ हिला सड़क पार करने का संकेत करते हुए, या अपनों से बड़ों का हाथ पकड़ तेजी से सड़क पार करो।



क्या करें :

- ❖ जहाँ तक हो सके पैदल चलने वाले रास्ते का ही प्रयोग करें ।
- ❖ जहाँ पैदल चलने का रास्ता न हो वहाँ हमेशा अपने बाएँ चलें ।
- ❖ सड़क पार करने के लिए जेबरा क्रॉसिंग-ओवर ब्रिज का ही प्रयोग करें । जहाँ जेबरा क्रॉसिंग न हो वहाँ सड़क पार करते समय अधिक सावधानी बरतें ।
- ❖ सड़क पार करते समय बड़ों की मदद लें ।
- ❖ सड़क तभी पार करें जब गाड़ी उचित दूरी पर हो ।

क्या न करें :

- ❖ दौड़ कर सड़क कभी भी पार न करें ।
- ❖ खड़ी हुई गाड़ियों के बीच या सामने से कभी भी सड़क पार न करें ।
- ❖ अंधे मोड़ पर कभी सड़क पार न करें ।
- ❖ सड़क पार करते हुए कभी रेलिंग पर से न कूदें ।
- ❖ सड़क पर चलते वाहन के सामने से दौड़ कर कभी सड़क पार न करें ।





तभी खुशी ने सामने से गुजरती सफेद रंग की गाड़ी देखी जिस पर 108 लिखा था। तब मुस्कान ने उसके मन में उठे प्रश्न को भांप उसे बताया, 'यह आपातकाल में प्रयोग किया जाने वाला नंबर है। अगर कहीं दुर्घटना हो जाए तो इस नंबर पर संपर्क करने पर तुरंत सहायता मिलती है।'।

अचानक खुशी के चाचा का मुस्कान को फोन आ गया, 'कहाँ हो मुस्कान?'

'बस! डीसी ऑफिस के पास पहुँचने वाले हैं।'

'जल्दी आ जाओ। मैं चिल्ड्रन पार्क के गेट के पास तुम दोनों का इंतजार कर रहा हूँ,' और वे दोनों लंबे- लंबे कदम भरतीं चिल्ड्रन पार्क की ओर चलने लगीं।

अध्यापकों के लिए :

अध्यापक अपने विद्यालय में सड़क पर चलने का जीवंत वातावरण बना बच्चों को सड़क सुरक्षा नियम और उनके महत्व को रोचक ढंग से बताएँ।

अध्यापक बच्चों को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं उसे मनाने के उद्देश्य की जानकारी दें और इस सप्ताह को अपने विद्यालय में भी मनाएँ।



बच्चों के लिए:

सड़क सुरक्षा नियमों की सूची बनाएँ।

प्रश्नोत्तरी :

1. सड़क पार करते समय तुम तब सुरक्षित हो जब
 - क. दौड़ कर सड़क पार करते हो
 - ख. तेज गति से चलते हुए सड़क पार करते हो
 - ग. बड़ी सावधानी से चलते हुए सड़क पार करते हो
2. सड़क पार करने से पहले तुम
 - क. पहले दाएँ फिर बाएँ और फिर दोबारा दाएँ देखोगे
 - ख. कहीं कुछ नहीं देखोगे, बस दौड़ जाओगे
 - ग. हाथ उठा कर सड़क पार करने का संकेत करते हुए सड़क पार करोगे
3. जहाँ पैदल चलने का रास्ता नहीं है वहाँ तुम
 - क. सड़क के बाईं ओर चलोगे
 - ख. सड़क के दाईं ओर चलोगे
 - ग. सड़क के किसी भी ओर चलोगे
4. तुम सड़क पर खेलोगे जहाँ
 - क. सड़क पर कम गाड़ियाँ चल रही हों
 - ख. सड़क पर गाड़ियाँ नहीं चल रही हों
 - ग. सड़क पर कभी नहीं खेलोगे
5. सड़क पर लगा निशान किस जंगली जानवर से संबंधित है
 - क. जेबरा
 - ख. हाथी
 - ग. शेर

(नोट— कक्षा में अध्यापक और भी बहुत से ऐसे प्रश्न तैयार कर छात्रों की सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी रोचकता से बढ़ा सकते हैं।)

